

की पूजा करते हो और भगोपासना इसी के लिए प्रचलित है 3. विवाह कर्म में भग देवता की पूजा की जाती है जो वैवाहिक सुख के अधिष्ठाता देव है।

भगौना पुं. (देश.) एक प्रकार का गहरा, गोलाकार बर्तन जो अनाज को भिगोकर रखने या पकाने के काम आता है, इसकी व्युत्पत्ति भिगौना से मानी जा सकती है।

भग्न वि. (तत्.) टूटा हुआ, खंडित, टूटा फूटा, नष्ट किया हुआ।

भग्न क्रम वि. (तत्.) जिसका क्रम टूट गया हो या अलग अलग हो गया हो।

भग्नचित्त वि. (तत्.) 1. निराश 2. हतोत्साहित।

भग्नचेष्ट वि. (तत्.) विफल होकर प्रयत्न छोड़ देने वाला, निराश, हताश।

भग्नदर्प वि. (तत्.) जिसका दर्प, गर्व, घमंड तोड़ दिया गया हो या नष्ट हो गया हो।

भग्ननिद्रा वि. (तत्.) 1. जो नींद से जगा दिया गया हो 2. जिसकी नींद पूरी होने से पहले टूट गई हो 3. जिसे किसी कारण से नींद ठीक से न आती हो।

भग्नपृष्ठ वि. (तत्.) 1. जिसकी रीढ़ टूट गई हो 2. निराश, हताश।

भग्नप्रक्रम दोष पुं. (तत्.) काव्य. काव्य का एक दोष जो रचना-क्रम खंडित होने पर होता है।

भग्न प्रतिज्ञा वि. (तत्.) 1. जिसने अपनी प्रतिज्ञा तोड़ दी हो 2. जिसकी प्रतिज्ञा पूरी न हो।

भग्नमना वि. (तत्.) जिसका मन टूट गया हो, निराश, हताश।

भग्नमनोरथ वि. (तत्.) जिसका मनोरथ टूट गया हो, इच्छा टूट गई हो, विफल मनोरथ वाला।

भग्नव्रत वि. (तत्.) जिसका व्रत टूट गया हो, खंडित व्रत वाला व्यक्ति।

भग्नश्री वि. (तत्.) जिसकी श्री, शोभा, आभा नष्ट हो चुकी हो, जिसका सौंदर्य नष्ट हो गया हो।

भग्नहृदय वि. (तत्.) 1. जिसका हृदय टूट गया हो, हताश 2. निराश, उत्साहविहीन।

भग्नान्श पुं. (तत्.) किसी वस्तु का टूटकर अलग हो गया हिस्सा।

भगनावशेष पुं. (तत्.) 1. किसी टूटी फूटी वस्तु के शेष टुकड़े, हिस्से 2. किसी प्राचीन नगर, भवन, घर आदि के नष्ट होने पर बचे हुए उसके टूटे-फूटे भाग, ध्वंसावशेष, खंडहर।

भगनाश वि. (तत्.) जिसकी आशा नष्ट हो गई हो, निराश, हताश।

भग्नोत्साह वि. (तत्.) जिसका उत्साह नष्ट हो गया हो, हतोत्साह, निराश, हताश, उत्साहहीन।

भचक्र पुं. (तत्.) ज्यो. 1. बारह राशियों का चक्र 2. सत्ताईस नक्षत्रों का चक्र।

भजना स.क्रि. (तत्.) 1. सेवा, परिचर्या करना 2. पूजा, सम्मान, उपासना, भक्ति करना 3. अंगीकार, स्वीकार करना 4. परमात्मा, अवतार, देवता, देवी, महापुरुष आदि का श्रद्धापूर्वक गुण-गान, स्तुति करना 5. आश्रय लेना 6. बार-बार कहना 7. प्रेम करना 8. धारण करना 9. भागना, दौड़ना, पलायन करना।

भट पुं. (तत्.) 1. धन लेकर संरक्षण करने वाला सैनिक, भाड़ैत योद्धा 2. मल्ल, पहलवान।

भटई स्त्री. (तत्.) 1. भाटपन 2. भाट का कार्य, पद 3. भाटों के समान अतिशयोक्तिपूर्ण, झूठी प्रशंसा, खुशामद, चापलूसी।

भटकटैया स्त्री. (देश.) कंटकारी, एक वनौषधि, कटेरी, कांटेदार पौधा जिसमें छोटे गोल आकार के पीले रंग के फल लगते हैं टि. इसके दो भेद हैं-बैंगनी फूल वाली और सफेद फूल वाली भटकटैया।

भटकना अ.क्रि. (देश.) 1. इधर-उधर बेकार फिरते रहना 2. जीविका की खोज में इधर-उधर जाना 3. मार्ग भूलने पर इधर-उधर मार्ग ढूँढना 4. भ्रमित होने के कारण लक्ष्य तक न पहुँच पाना, भ्रम में पड़ना 5. अशांत मन का एकाग्र न होकर चंचल रहना।